



किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक

समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 2 अंक: 52 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 04 दिसंबर 2023 <http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

मोदी की गारंटी पर लगी जनता के विश्वास की गारंटी : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दी भाजपा को जीत की बधाई।

लखनऊ, 3 दिसंबर: तीन राज्यों के विश्वासभा चुनाव में कमल कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं खिलाए पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने अधिनन्दन। यह ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व, लोक-कल्यानकारी विजय एवं नियतियों और समग्र विकास के संकल्प के प्रति राजस्थान के नागरिकों के अटूट विश्वास के प्रतीक है। 'आपणों अग्रणी राजस्थान' की चाह रखने वाले सभी राजस्थान वासियों को पुनः शुभकामनाएं।

मध्य प्रदेश की विराट विजय योगी के नेतृत्व के प्रति अटूट जननाथ के समर्पित कार्यकर्ताओं व समाजित मतदाताओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

'आपणों अग्रणी राजस्थान' की चाह रखने वालों को दी बधाई राजस्थान की जीत पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि वीरभूमि राजस्थान में चार राज्यों के चुनाव परिणामों में तीन राज्यों में बीजेपी की भारी हैट्रिक लगाना 'मोदी की गारंटी' पर 'जनता के विश्वास की गारंटी' है। सीएम ने इस जीत पर भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं व समाजित मतदाताओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

जनविश्वास पर मुहर सीधी योगी आदित्यनाथ ने मध्य प्रदेश में भाजपा के जीत बधाई देते हुए एक अटूट पर लिखा कि मध्य प्रदेश में विराट विजय प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के प्रति अटूट जनविश्वास की मुहर है। डबल इंजन सरकार के सुशासन, सुरक्षा और सामाजिक न्याय को समर्पित इस विजय के लिए छत्तीसगढ़ वासियों का हार्दिक अभिनन्दन।

जनविश्वास पर मुहर के अथक परिश्रम का सुफल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेलंगाना में भाजपा के प्रदर्शन को समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल बताया। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन और राजदर्वाज़ को जनादेश विनप्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं ज्ञ विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद, प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम जरूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।

प्राथमिक विद्यालय छलौरा में आंगनबाड़ी केंद्रों के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन।



अंतहीन उत्साह का जशन मनाने का दिन रहा। बच्चों के साथ-साथ छलौरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम अधिकारी पूर्ण तम तिवारी द्वारा बच्चों को उत्तरादेश देने वाले कार्यक्रम के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आज का दिन उनके विकास, चिनावाली और विकास का उद्घाटन कर रहे थे।

समाज जागरण

दीए मनोज कुमार वर्मा के नेतृत्व में आज बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा कोहेशन फाउंडेशन व एचसीएल फाउंडेशन के सहयोग से पहली बार छलौरा प्रथमिक विद्यालय में आंगनबाड़ी केन्द्रों के वार्षिक उत्सव का आयोजन गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कार्यक्रम अधिकारी पूर्ण तिवारी जी के संबोधन द्वारा किया गया। इस अवसर पर हमारे नहीं मुने बच्चों ने मन्त्रमुच्च कर देने वाले मन्त्रावान नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के अंत में जिला कार्यक्रम अधिकारी पूर्ण तिवारी द्वारा बच्चों को उत्तरादेश देने वाले कार्यक्रम के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आज का दिन उनके विकास, चिनावाली और विकास का उद्घाटन कर रहे थे।

समाज जागरण वाराणसी मंडल ब्लूग्रॉ

अधिकारी प्रतीक सिंह ने दर्शन के दौरान पाया कि कर्मचारी गर्भगृह एवं स्पृह दर्शन के नाम पर अवैध पैसे की मांग कर रहे हैं, मैंके पर ही विरोध करने पर कर्मचारियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में ही अधिवक्ता के साथ केवल बधाई दिया। अधिवक्ता प्रतीक सिंह ने बाबा विश्वनाथ के अवैध पैसे की मांग करने आवश्यक नहीं। अधिवक्ता ने बाबा विश्वनाथ के लिए विविहित विकायों के बाबा भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती दिख रही है, मंदिर में कमटी से लेकर जिम्मों तक आधार रात्न के साथ लिया गया है। बाबा के दरबार में बाबा अमर क्या रात यहाँ इस तरह के श्रद्धालुओं को खत्म करने के लिये उन्हें

बाबा विश्वनाथ के दर्शायत तक पहुंचा ब्रह्मचारी

गर्भगृह तक पहुंचाने के नाम पर कर्मचारी कर रहे धनुडगाही, अधिकारी प्रतीक सिंह

समाज जागरण वाराणसी मंडल ब्लूग्रॉ

अधिकारी प्रतीक सिंह ने दर्शन के दौरान पाया कि कर्मचारी गर्भगृह एवं स्पृह दर्शन के नाम पर अवैध पैसे की मांग कर रहे हैं, मैंके पर ही विरोध करने पर कर्मचारियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में ही अधिवक्ता के साथ केवल बधाई दिया। अधिवक्ता प्रतीक सिंह ने बाबा विश्वनाथ के अवैध पैसे की मांग करने आवश्यक नहीं। अधिवक्ता ने बाबा विश्वनाथ के लिए विविहित विकायों के बाबा भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती दिख रही है, मंदिर में कमटी से लेकर जिम्मों तक आधार रात्न के साथ लिया गया है। बाबा के दरबार में बाबा अमर क्या रात यहाँ इस तरह के श्रद्धालुओं को खत्म करने के लिये उन्हें

बाबा विश्वनाथ के दर्शायत तक पहुंचा ब्रह्मचारी

गर्भगृह तक पहुंचाने के नाम पर कर्मचारी कर रहे धनुडगाही, अधिकारी प्रतीक सिंह

समाज जागरण वाराणसी मंडल ब्लूग्रॉ

अधिकारी प्रतीक सिंह ने दर्शन के दौरान पाया कि कर्मचारी गर्भगृह एवं स्पृह दर्शन के नाम पर अवैध

पैसे की मांग कर रहे हैं, मैंके पर ही विरोध करने पर कर्मचारियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में ही अधिवक्ता के साथ केवल बधाई दिया। अधिवक्ता प्रतीक सिंह ने बाबा विश्वनाथ के अवैध पैसे की मांग करने आवश्यक नहीं। अधिवक्ता ने बाबा विश्वनाथ के लिए विविहित विकायों के बाबा भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती दिख रही है, मंदिर में कमटी से लेकर जिम्मों तक आधार रात्न के साथ लिया गया है। बाबा के दरबार में बाबा अमर क्या रात यहाँ इस तरह के श्रद्धालुओं को खत्म करने के लिये उन्हें

बाबा विश्वनाथ के दर्शायत तक पहुंचा ब्रह्मचारी

गर्भगृह तक पहुंचाने के नाम पर कर्मचारी कर रहे धनुडगाही, अधिकारी प्रतीक सिंह

समाज जागरण वाराणसी मंडल ब्लूग्रॉ

अधिकारी प्रतीक सिंह ने दर्शन के दौरान पाया कि कर्मचारी गर्भगृह एवं स्पृह दर्शन के नाम पर अवैध

पैसे की मांग कर रहे हैं, मैंके पर ही विरोध करने पर कर्मचारियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में ही अधिवक्ता के साथ केवल बधाई दिया। अधिवक्ता प्रतीक सिंह ने बाबा विश्वनाथ के अवैध पैसे की मांग करने आवश्यक नहीं। अधिवक्ता ने बाबा विश्वनाथ के लिए विविहित विकायों के बाबा भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती दिख रही है, मंदिर में कमटी से लेकर जिम्मों तक आधार रात्न के साथ लिया गया है। बाबा के दरबार में बाबा अमर क्या रात यहाँ इस तरह के श्रद्धालुओं को खत्म करने के लिये उन्हें

बाबा विश्वनाथ के दर्शायत तक पहुंचा ब्रह्मचारी

गर्भगृह तक पहुंचाने के नाम पर कर्मचारी कर रहे धनुडगाही, अधिकारी प्रतीक सिंह

समाज जागरण वाराणसी मंडल ब्लूग्रॉ

अधिकारी प्रतीक सिंह ने दर्शन के दौरान पाया कि कर्मचारी गर्भगृह एवं स्पृह दर्शन के नाम पर अवैध

पैसे की मांग कर रहे हैं, मैंके पर ही विरोध करने पर कर्मचारियों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में ही अधिवक्ता के साथ केवल बधाई दिया। अधिवक्ता प्रतीक सिंह ने बाबा विश्वनाथ के अवैध पैसे की मांग करने आवश्यक नहीं। अधिवक्ता ने बाबा विश्वनाथ के लिए विविहित विकायों के बाबा भी इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती दिख रही है, मंदिर में कमटी से लेकर जिम्मों तक आधार रात्न के साथ लिया गया है। बाबा के दरबार में बाबा अमर क्या रात यहाँ इस तरह के श्रद्धालुओं को खत्म करने के लिये उन्हें

गांधीजी नौसैनिकों का विद्रोह और अंग्रेज सद्काट का घुटने टेकना एक विलक्षण घटना

दैनिक समाज जागरण

सेना का जिक्र आते ही जो तस्वीरें जेहन में कौंधती हैं वो टैकों में सवार, वायुयानों में उड़ते, पानी के जहाजों पर तैनात चुस्त दुरुस्त नौजवानों को होती है। रेमाच और वीरता की ये तस्वीरें सबसे ज्यादा आकर्षित करती हैं, युवा मन को। युवाओं को सेना न सिर्फ नौकरी और कैरियर प्रदान करती है, बल्कि रोमांच, देशभक्ति के जीवन से दो चार होने के मोक्ष भी देती है। युवा ऊर्जा से उबलते नौजवानों के लिये सेना जिंदगी के रोमांचकारी अनुभव को सच बनाने और देश रक्षा में कुछ कर गुजरने का अवसर देता है। यूं को भारतीय सेना के तीन अंग है। वायुसेना, थलसेना और जलसेना, तीनों ही सेनाओं का महत्व कमेवेश बराबर ही है। किसी भी अंग को कमतर नहीं अंक सकते। बहादुरी के अनुष्ठान जज्बात और युद्ध के अत्याधुनिक विश्वालं संसाधनों के साथ विश्व में भारत की सेना अद्वितीय स्थान रखती है। विश्व विख्यात युद्ध पोत "विराट", "विकांत" ने भारतीय नौसेना का इतिहास स्वर्णक्षरों में अकित होते अपने समाने ही देखा है।

भारतीय नौसेना का इतिहास स्वर्तंत्रता प्राप्ति से भी पुराना है। भारतीय नौसेना ने 1946ई. में अपनी नौसैनिक शक्ति पर इतने बाले ब्रिटेन को भी एक समय नाकों चने चबवा दिये थे। बात उस समय की है जब अंग्रेजों ने आजाद हिंदू फोज के सैनिक एवं अधिकारियों को बंदी बना लिया था, और अंग्रेजों ने फौज के सैनिकों पर देश द्रोह का आरोपण किया था। बाले ब्रिटेन के सैनिकों को अनुसरण करते हुए वायुसेना के अधिकारियों पर भारतीय नौसेना के सैनिकों को बहुत सारी शिकायतें थीं, जिनकी अधिकारी इन नौसैनिकों के अभिव्यक्ति इस विद्रोह के रूप में हुई। सबसे पहले बंदी डाक पर आल इंडियन नेवी के भारतीय सैनिकों ने अंग्रेजों के दुर्व्यवहार एवं भेदभाव पूर्ण रवैए के विरोध में अपना राशन लेने और परेड पर जाने से इंकार कर दिया। लगभग 3000 नौसैनिक विद्रोह पर उत्तर आये और अपने यूरोपियन अधिकारियों पर हमला करने लगे। नौसैनिक पूर्वक सुना जाता। मैंना मनता हूं कि सैनिकों को राजनीति से दूर रहना चाहिए। लैकिन दूसरी तरफ उनकी मूलभूत शिकायतों को कहीं और जगह निश्चित रूप से सहानुभूति पूर्वक सुना जाता। मैंना जाना है कि गुप्तवत सिंह पन्नू के इशारे पर इस घटना को अंजाम दिया गया है एक बात और भारत ने देश की गुप्तवत सिंह पन्नू की संपत्तियों को हाल ही में जब्त किया है। यह कार्य तो बहुत पहले करना चाहिए।

गुप्तवत सिंह पन्नू के खालिस्तानी आंकिं संगठन सिख फॉर जस्टिस की अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संघ के साथ धकामुक्की करने की चाल फैल ही गई। खालिस्तानीयों ने गुप्तवत पर अमेरिका के न्यूयार्क शहर में स्थित तुरुद्वारे में भारतीय राजदूत के साथ कलकत्ता को चेतावनी देते हुए धोषणा की हम अंग्रेजों के भारत के ऊपर शासन करने के नैतिक अधिकार को जारी करने को चाहते थे। लैकिन नौसैनिकों का अनुसरण करते हुए वायुसेना के अधिकारियों पर भारतीय नौसैनिकों ने जहाजों को बाले ब्रिटेन को अंजाम दिया गया है। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपने को इस विद्रोह के चर्चित नहीं हुए।

तथा इसके अधिकारी कंसल बैरक में तोपखाने तथा अधिकारी अस्त्रों को कब्जे में कर लिया। बंदी और करांची की हड़ताल अगले दिन अन्य नौसैनिक केंद्रों कलकत्ता तथा नजर रखे हुए थे। लैकिन मद्रास में भी फैल गई। सरकार उन्होंने व्यक्तिगत रूप से अपने को इस विद्रोह से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल मोहम्मद अली जिना, मौलाना आजाद तथा दूसरे सभी राष्ट्रीय नेता रिश्ति पर नजर रखे हुए थे। लैकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ढूँढ़ता था।

व्यक्ति की कोई भी स्वीकार नहीं हुई। इसलिए जब कभी भी अपने सैनिक या नागरिक कानून को तोड़ा जाता है तो हम में से हर व्यक्ति की सहानुभूति विद्रोहियों के साथ हो जाती है। महात्मा गांध

साजिश के तहत परियोजना को बंद करने का कोशिश कर रहे हैं प्रबंधक - संयुक्त नोर्मा

दैनिक समाज जागरण शीतल दत्ता वरीय संवाददाता धनबाद झारखंड तिसरा। नौर्थ तीसरा परियोजना का डोजर डम्पर मशीन को कैसे कुजामा आउटसेटिंग परियोजना में काम कराया जा रहा है इसकी जांच ही और दोषी प्रबंधन पर करवाई किया जाए उक्त वाते सुबूत मोर्चा के नेताओं ने रविवार को नौर्थ तिसरा 6 नंबर के समीप परियोजना बचाने को लेकर आयोजित अनिश्चितकालीन धरना में कही। मोर्चा के नेताओं ने कहा कि एक तरफ चालू परियोजना को एमटीओ मोर्चे में डालकर निजीकरण की ओर ले जाया जा रहा है दूसरी ओर यहां का डीजल आउटसेटिंग परियोजना चालाने के लिए दिया जा रहा है आखिर वह किसके आदेश से हो रहा है सीधेमेडी इसकी जांच करें। नेताओं ने कहा कि लगभग 1000 से अधिक मजदूर परियोजना में काम करते हैं इन मजदुरों का व्यापा होगा। निजीकरण का मतलब है यहां का मजदूरों को हटाना और आउटसेटिंग चालू करना। अनिश्चितकालीन धरना के बाद भूख हड्डियाल और परियोजना बढ़ी का भी अदैलन होगा। मोर्चे पर रितेश निषाद, मोर्चे कुमार पासवान, अनिल कुमार सिंह, धौंदेर राय, सुजीत मंडल, उत्तरवल कुमार डे, पशुपतिनाथ देव, बंदी सिंह, कर्नाइ सिंह, फागु नार्थिंग, लक्ष्मीकांत निषाद, सुनील राय, संतोष मिश्रा थे।

"रांची रिम्स अस्पताल में समर्पण एक नेक पहल"

संस्था ने बुजुर्ग मरीज के लिए रक्त उपलब्ध कराई

दैनिक समाज जागरण शीतल दत्ता वरीय संवाददाता धनबाद झारखंड संस्था को सूचना प्राप्त हुई कि रांची के रिम्स अस्पताल में अद्वितीय बुजुर्ग मरीज को फालून देखा गया।

बुजुर्ग मरीज को फालून देखा गया

बुजुर्ग मरीज गर्मस्टर साव भर्ती हैं जिनके शरीर में हीमोलोजिकी की मात्रा बहुत कम हो रही हैं, इन्हें तत्काल दो बूनिट और पांजिटिव रक्त के अवश्यकता हैं घर बालों ने एक यूनिट रक्तदान किया है एक प्लाटिन और अवश्यकता है, सूचना प्राप्त होते ही संस्था के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष दिव्येश चौहान ने माँ राम प्यारी ब्लड बैंक प्रबंधक से बात कर मरीज को तत्काल एक यूनिट और पांजिटिव रक्त प्रदान करने का आग्रह किया और इसके कुछ ही देर के बाद सभी कागजी प्रक्रियाओं को पूरा कर मरीज के ब्लड बैंक के द्वारा रक्त प्रदान कर दिया गया, वह संस्था प्रत्येक दिन कई जरूरतमें नोमां लोगों ने लगातार रक्त उपलब्ध करा रही हैं जो बहुत ही सराहनीय है।

विष्णुगढ़ प्रखंड के चानो में विद्यालय भवन एवं चाहर दिवारी निर्माण का शिलान्यास

दैनिक समाज जागरण, धनश्याम पाठक व्यारो चीफ

हजारीगढ़ (झारखंड) 03 दिसंबर 2023 :- मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल के द्वारा विष्णुगढ़ के चानो पंचायत में डॉमेनफटी मद से करीब एक करोड़ चौहतर लाख की लागत से विद्यालय भवन का निर्माण, चारदीवारी समेत अन्य कारों के लिए शिलान्यास किया गया बताते हैं, कि विद्यालय भवन की कमी एवं चारदीवारी नहीं होने से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आये दिन परशानियों का सामना करना पड़ता था।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03 दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया बताते हैं, कि विद्यालय भवन की एवं चारदीवारी नहीं होने से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आये दिन परशानियों का सामना करना पड़ता था।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

इस बाबत जानकारी देते हुए यह यजप्रकाश भाई पटेल ने बताया कि आगे भी अपनी विद्यालय के क्षेत्र में पूर्व की भाँति इसी तरह से विकास के कार्य अनवरत जारी रहेंगे। जिस कार्यकों लिए आप सबों ने मुझे चुना उसे पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी और अपने पिता के पांचवर्षीय पर चलते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अपने कार्य किये हैं, जैसे विष्णुगढ़ में अर्हिंदीआई महाविद्यालय का निर्माण, रामगढ़ 2 लाई स्कूल का नवनिर्माण, मथविद्यालय गोविन्दपुरा खुर्दी की चारदीवारी, टेकाल स्कूल हड्डी महाविद्यालय का निर्माण, नारी मध्य विद्यालय नारी मरमति, निर्माण एवं रामरेगन एवं चारदीवारी का निर्माण समेत, दौलत महतों डिग्गी विद्यालय भवन के निर्माण की मरमति, एवं रामरेगन समेत बहुत सारे कार्य जनहित में किये गए हैं। इसके अलावे विकास के बहुत कार्य धरातल पर उत्तर जा चुके हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से दूसरों द्वारा महतों, परसेश्वर महतों, हिरामन महतों, चेतलाल महतों से मार्ग लागती है।

दैनिक समाज जागरण का मार्ग नारायण मिश्र

वरीय संवाददाता धनबाद (झारखंड) :03दिसंबर 2023:- जिले के शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति एवं मार्सवांदी युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावादीन में सासास केंद्रीय कालायल टेंपल रोड, पुराना बाजार में संपन्न हुई 'बैठक' को संबोधित करते हुए यजप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि एक अवश्यकता है कि विद्यालय भवन का निर्माण की धार्मिक पहचान सनातों कोड़ी के लिए आवश्यकता है। यहां लोगों ने अपने दोनों दिनों के बाद आनन्द-फालून में अमन सिंह की धार्मिक पहचान सनातों कोड़ी के लिए आवश्यकता है।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को पूरा करते हुए आज 03

दिसंबर 2023 के विद्यालय विकास के लिए शिलान्यास किया गया।

जिसको देखते हुए ग्रामीणों की मार्ग पर मानूड विद्यालय जयप्रकाश भाई पटेल ने अनुसंधान करते हुए प्राथमिकता के आध